

योग साहित्य का प्रकाशन एवं विरासत से विकास में योग की भूमिका व रोग निवारण में योग : वैज्ञानिक शोध एवं निष्कर्ष

(१९ जून, २०२५)

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के कार्यक्रमों के अंतर्गत आज कृषि विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना की इकाई के छात्रों द्वारा रोग निवारण में योग की भूमिका एवम इसके वैज्ञानिक शोध विषय पर एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में नई दिल्ली से पधारे योग प्रशिक्षक डॉ० विकास सिंह द्वारा उक्त विषय पर दिए गए अपने प्रस्तुतिकरण में बताया कि योग हमारी प्राचीन विरासत है एवम इससे मनुष्य के सर्वांगीण विकास में सहायता मिलती है। डा० विकास ने बताया कि योग क्रियाओं के माध्यम विभिन्न प्रकार के जटिल रोगों को आसानी से दूर किया जा सकता है जिसको विभिन्न प्रकार की वैज्ञानिक शोध के माध्यम से प्रमाणित भी किया गया है। योग प्रशिक्षक डॉ० आशीष ने छात्रों को योग की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए बताया कि छात्र जीवन में योग की भूमिका और भी अधिक महत्वपूर्ण होती है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ० रामजी सिंह ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि हमें अपनी प्राचीन विरासत से हमेशा जुड़ा रहना चाहिए। अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ० डी० के० सिंह ने बताया कि छात्रों को अनुशासन के साथ निरंतर प्रयास से अपने उद्देश्यों को पूरा करने में योग महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है। कार्यक्रम समन्वयक डॉ० विपिन कुमार ने अवगत कराया कि योग कार्यक्रमों की श्रृंखला में योग के विभिन्न कार्य आयोजित किये गए हैं जो आगे भी निरंतर जारी रखे जाएंगे जिससे छात्रों को पढ़ाई के साथ साथ तन एवम मन को स्थिर करते हुए सफलता प्राप्त करने में सहायता मिल सके। कार्यक्रम के आयोजन में डॉ० आर० एन० यादव, डॉ० वी० के० सिंह, डॉ० विनीता वर्मा, डॉ० अजित आदि का सहयोग रहा। इस कार्यक्रम में समस्त महाविद्यालय के छात्रों ने प्रतिभाग किया तथा अन्य छात्रों ने इस कार्यक्रम के ऑनलाइन प्रसारण से जुड़कर योग का लाभ प्राप्त किया।







